2016

X

SET – 2

Series : JSR/2

कोड नं.
Code No. **4/2/2**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 18 प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

# संकलित परीक्षा-II

# SUMMATIVE ASSESSMENT-II

# हिन्दी

# HINDI

## (पाठ्यक्रम ब)

## (Course B)

*निर्धारित समय : 3 घंटे*
*Time allowed : 3 hours*

*अधिकतम अंक : 90*
*Maximum Marks : 90*

**सामान्य निर्देश :-**

*(i)* *इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं – क, ख, ग और घ ।*

*(ii)* *चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।*

*(iii)* *यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।*

## खंड – 'क'

1. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $2 \times 4 = 8$

वे दोनों ऐसी जुटी थीं बातों में
जैसे रहा हो सात जन्मों का साथ
दोनों की बातों में बहुत छोटी और
मामूली चीजें शामिल थीं
जैसे गाय दूध देती है या आरई है
भूसा घर से हो जाता है कि
बाज़ार से आता है
लड़के बाहर पढ़ते हैं
आजकल छुट्टियाँ चल रही हैं
लड़कियाँ दिनभर जी हलकान करती हैं
एक दिन सब अपने-अपने घर चली जाएँगी
ऊपर वाला लड़कियाँ दे तो ज़खीरा भी दे
लड़के वाले सीधे मुँह बात नहीं करते
दोनों ने अपने-अपने मुहल्लों के दर्दनाक
हादसों की चर्चा की
उस दुख में अपने को शामिल किया
अपने-अपने अनुभव और ज्ञान को
दोनों एक-दूसरे के बीच बाँट रही थीं
पर दोनों के मन में चिंता थी
बेटियाँ घर में अकेली हैं
घर का बहुत सारा काम पड़ा है
दोनों अपने-अपने अँधेरे में
जुगनुओं की तरह चमक रही हैं ।

(क) काव्यांश में 'दोनों' कौन हैं और उनकी बातचीत के विषय क्या हैं ?

(ख) लड़कियाँ चिंता का विषय क्यों हैं ?

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए :

ऊपर वाला लड़कियाँ दे तो ज़खीरा भी दे

(घ) काव्यांश में समाज में नारी जीवन से संबंधित किन बुराइयों की चर्चा है ? किसी एक पर अपने विचार संक्षेप में लिखिए ।

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $2 \times 6 = 12$

हमारे चारों ओर शान से पसरी प्रकृति कितनी समृद्ध, संपन्न और भव्य है ! क्या हमने अपनी व्यस्त जीवनचर्या से समय निकाल कर, कभी इस पर गौर किया ! बसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, हेमंत, शिशिर, इन छह ऋतुओं की अलग-अलग छटा, अलग-अलग मिजाज अपने में समाए प्रकृति नाना मनोहर रूपों में हमारे सामने आती है, तो हर बार हम नि:शब्द हुए उसे निहारते रह जाते हैं । हर मौसम का अपना मिजाज, अपना अंदाज, अपनी खुशबू, अपना स्पर्श होता है, जो हमें तरह-तरह की भावनाओं, अनुभूतियों से भरकर हमारे अनुभव-जगत का विस्तार करता है ।

बसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, आदि ऋतुओं का एक के बाद एक आना और जाना, प्रकृति को अपने रंग में रंगना, कभी उसे फूलों से आवृत कर खिलखिलाहट से भर देना, कभी भीनी महक से लपेट देना, तो कभी फूल-पत्ते उड़ाकर वैरागिन-सी उदास बना देना, कभी झर-झर पानी बरसाकर तर कर देना, कभी सर्द झोंकों से सिहरा देना,.... कितने प्यारे, अनोखे व अनूठे रूप हैं । प्रकृति का सौम्य रूप, रौद्र रूप, उसकी चंचलता, उसकी जड़ता, उसकी जीवंतता आदि सब देखने वाले की नज़र पर, उसकी संवेदनशीलता पर निर्भर होते हैं ।

मैंने महसूस किया है कि हर मौसम का मानव मन पर एक मनोवैज्ञानिक असर होता है । जैसे ग्रीष्म के अलसाए दिन लंबे होने के कारण, ठंडे बंद कमरों में लेटे दिलो-दिमाग को आत्मचिंतन का खूब समय देते हैं । मधुमास हमारी रागात्मक प्रवृत्ति को तराश देता है... हमें तरह-तरह से रचनात्मक बनाता है ।

सूरज और चंद्रमा का अस्त और उदय इस लोक को क्रमश: दुख और सुख की दो दशाओं में नियमित करता है । दोनों में से एक भी दशा स्थायी नहीं है, अत: हमें न सुख में अधिक सुखी और न दुख में अधिक दुखी होना चाहिए, बल्कि तटस्थ भाव से जीना चाहिए ।

(क) प्रकृति के रूपों का हम पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

(ख) प्रकृति के किन्हीं दो अनूठे रूपों की चर्चा कीजिए जो आपको अधिक प्रभावित करते हों ।

(ग) गद्यांश में ग्रीष्म के कैसे प्रभाव से लेखक प्रभावित होता है ?

(घ) मधुमास किसे कहते हैं ? उसका मन पर कैसा प्रभाव पड़ता है ?

(ङ) सूर्य और चंद्रमा से हमें क्या संदेश मिलता है ?

(च) आशय स्पष्ट कीजिए :

"हर बार हम नि:शब्द हुए उसे निहारते रह जाते हैं ।"

## खंड – 'ख'

3. (i) पद किसे कहते हैं ? उदाहरण सहित लिखिए । $1 + 1 = 2$

(ii) शब्द और पद में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : $1 \times 3 = 3$

(i) गाँव में बाढ़ आने पर लोगों को अन्यत्र ठहराया जाता है । (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ii) जब रेल-दुर्घटना हुई तो आस-पास के लोगों ने आहतों की मदद की । (सरल वाक्य में बदलिए)

(iii) शिक्षक ने कक्षा में आकर सदाचार की बातें बताईं । (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

5. (क) निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : $1 + 1 = 2$

शुभकार्य, दलितोद्धार

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए : $1 + 1 = 2$

तपस्या के लिए वन, पीला जो वस्त्र

6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : $1 \times 4 = 4$

(क) तुमने क्या करा था ?

(ख) मेरी दादी यह कहानी मुझे सुनाई थी ।

(ग) उसके सिर में नंगी तलवार लटकी थी ।

(घ) घमंड से मोहन को अभिमान हो गया था ।

7. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाय : $1 + 1 = 2$

अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना, घी के दिये जलाना

## खंड – 'ग'

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) 'गिरगिट' पाठ के आधार पर लिखिए कि ख्यूक्रिन कौन था ? वह मुआवजा क्यों चाहता था ? 2

(ख) 'अब कहाँ दूसरे के दुख में दुखी होने वाले' पाठ के अनुसार वनस्पति और जीव-जगत के बारे में लेखक की माँ के क्या विचार थे ? 2

(ग) 'झेन की देन' पाठ में लेखक ने जापानियों के दिमाग में 'स्पीड' का इंजन लगने की बात क्यों कही है ? 1

9. 'अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर प्रकृति के साथ मानव के दुर्व्यवहार और उसके परिणामों पर चर्चा कीजिए । 5

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $2 + 2 + 1 = 5$

व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग रहते हैं । लाभ-हानि का हिसाब लगाकर ही कदम उठाते हैं । वे जीवन में सफल होते हैं, अन्यों से आगे भी जाते हैं पर क्या वे ऊपर चढ़ते हैं । खुद ऊपर चढ़ें और अपने साथ दूसरों को भी ऊपर ले चलें यही महत्त्व की बात है । यह काम तो हमेशा आदर्शवादी लोगों ने ही किया है ।

(क) व्यवहारवादी किन्हें कहा जाता है ? वे हमेशा सजग क्यों रहते हैं ?

(ख) महत्त्व की बात क्या मानी गई है ? टिप्पणी कीजिए ।

(ग) आदर्शवादी लोगों ने समाज के लिए क्या किया है ?

11. 'कर चले हम फ़िदा' कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए । 5

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) भरे पूरे घर परिवार में भी नायक-नायिका कैसे बात करते हैं ? बिहारी के दोहे के आधार पर स्पष्ट कीजिए । 2

(ख) 'कर चले हम फिदा' गीत में कवि ने वीरों के प्राण छोड़ते समय का मार्मिक वर्णन किस प्रकार किया है ? अपने शब्दों में लिखिए । 2

(ग) 'मधुर मधुर मेरे दीपक जल' कविता में कवयित्री ने आकाश में चमकते तारों को स्नेहहीन क्यों कहा है ? 1

13. एक ही कक्षा में दो-दो बार बैठने से टोपी को किन भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा ? मानवीय मूल्यों की दृष्टि से अपने विचार लिखिए । 5

## खंड – 'घ'

14. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग **100** शब्दों में अनुच्छेद लिखिए । 5

(क) शिष्टाचार

- शिष्टाचार क्या है
- महत्त्व एवं लाभ
- बाधक तत्त्व एवं निराकरण

(ख) जीवन में श्रम की महत्ता

- श्रम के विभिन्न रूप
- प्रगति का मूल मंत्र
- श्रम के आदर्श

(ग) दूरदर्शन

- दूरदर्शन की भूमिका
- शैक्षणिक लाभ
- विकास में योगदान

15. जल बोर्ड के अध्यक्ष को पत्र लिखकर अपने क्षेत्र में नियमित रूप से जल सप्लाई की व्यवस्था हेतु निवेदन कीजिए । 5

16. मुहल्ले के पास पार्क में योग की कक्षाएँ लगने और लाभ उठाने की सूचना लगभग 30 शब्दों में लिखिए । 5

17. आए दिन माँगों को लेकर हड़ताल-धरना से संबंधित दो मित्रों में हुए संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए । 5

18. विद्यालय में बनी मोमबत्तियों की बिक्री के लिए एक विज्ञापन लगभग 25 शब्दों में तैयार कीजिए । 5